

---

Prajna Patu

प्रज्ञा पातु

Document Information

---

Text title : prajnA pAtu

File name : prajnApAtu.itx

Category : devii, sarasvatI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Mohan Chettoor

Proofread by : Mohan Chettoor

Translated by : Gangadharaguru

Latest update : June 24, 2022

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 24, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

प्रज्ञा पातु



या प्रज्ञा मोहरात्रिप्रबलरिपुचय-  
ध्वंसिनी मुक्तिदात्री  
सानन्दाशाविधात्री मधुमयरुचिरा  
पावनी पातु भव्या ।  
सौजन्याम्भोजशोभा विलसतु विमला  
सर्वदा सर्वथाऽत्र  
साम्यस्निग्धा विशुद्धा भवतु च वसुधा  
पुण्यवार्ताविमुग्धा ॥ १ ॥

या प्रज्ञा विश्वकाव्यामृतरसलहरी-  
सारतत्त्वानुसन्धा  
सद्भावानन्दकन्दा ह्यभयविभवदा  
साम्यधर्मानुबद्धा ।  
शुद्धाचारप्रदात्री निरुपमरुचिरा  
सत्यपूताऽनवद्या  
कल्याणं सन्ततं सा वितरतु विमला  
शान्तिदा वेदविद्या ॥ २ ॥

या ज्ञानामृतमिष्टदं प्रददते  
या लोकरक्षाकरी ।  
या चोदारसुशीलशान्तविमला  
या भक्तिसञ्चारिणी ।  
या गोवृन्दनियन्त्रणातिकुशला  
सा शारदा पातु नः ।  
गीतावद् गरकण्ठवद् गगनवद्  
गौराङ्गवद् गोपवत् ॥ ३ ॥

ॐ शान्तिः ! शान्तिः !! शान्तिः !!!

-श्रीगङ्गाधरगुरुः

Encoded and proofread by Mohan Chettoor

---

*Prajna Patu*

pdf was typeset on June 24, 2022

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

